Seat No. : _____

ND-133

December-2015

M.A., Sem.-III

502 : Hindi

काव्यशास्त्र

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

सूचना : प्रत्येक प्रश्न के उपखंड (क) के **500** से **600** तथा (ख) के **100** शब्दों में जवाब लिखिए ।

1. (क) शंकुक के रस-निष्पत्ति सम्बंधी मत पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

भट्टनायक के रस-निष्पत्ति सम्बंधी मत की विवेचना कीजिए ।

(ख) आचार्य भरत का रस-सूत्र **4**

अथवा

स्थायी भाव का परिचय

2. (क) कल्पना की परिभाषा देकर उसके प्रकारों को सोदाहरण समझाइए । **10**

अथवा

विरेचन और साधारणीकरण के अंतर पर प्रकाश डालिए ।

(ख) सहृदय-सम्बंधी भारतीय मत **4**

अथवा

प्रतिभा और कल्पना का सम्बंध

3. (क) शब्दशक्ति की परिभाषा देकर लक्षणा शब्दशक्ति को सोदाहरण समझाइए । **10**

अथवा

छंद और कविता के अंतर्सम्बंधों को सोदाहरण समझाइए ।

(ख) काव्य में अलंकार की भूमिका **4**

अथवा

सौंदर्य की अवधारणा

4. (क) राजशेखर के काव्य-भाषा सम्बंधी मत पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

कुन्तक के काव्य-भाषा सम्बंधी मत की विवेचना कीजिए ।

(ख) वर्ड्सवर्थ के काव्य-भाषा सम्बंधी विचार **4**

अथवा

काव्यात्मक भाषा

5. (अ) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : **7**

(1) 'काव्यशोभाकरान्धर्मानलंकारान्प्रचक्षते' – किसकी उक्ति है ?

(a) भामह (b) दण्डी

(c) वामन (d) रुद्रट

(2) 'प्रतिभा अपूर्ववस्तुनिर्माणसक्षमा' – किसका कथन है ?

(a) भट्टतौत (b) मम्मट

(c) अभिनव गुप्त (d) क्षेमेन्द्र

(3) 'कल्पना' काव्य का कौन-सा पक्ष है ?

(a) भाव पक्ष (b) बोध पक्ष

(c) अलंकार पक्ष (d) रमणीय पक्ष

(4) "सौंदर्य से शुद्ध और नि:स्वार्थ आनन्द की प्राप्ति होती है ।" – किसका मानना है ?

(a) भामह (b) इमेन्युएल कांट

(c) इलियट (d) पंडितराज जगन्नाथ

(5) नियमरहित प्रवाह को क्या नाम दिया गया है ?

(a) मात्रिक छंद (b) वार्णिक छंद

(c) मुक्त छंद (d) छंदमुक्त

(6) किसके अनुसार काव्य में छंद हो भी सकता है और नहीं भी ?

(a) वर्ड्सवर्थ (b) कुन्तक

(c) इलियट (d) राजशेखर

(7) कांट ने प्रत्यक्षीकरण के कितने रूप माने हैं ?

(a) दो (b) तीन

(c) चार (d) पाँच

(ब) 'सही' और 'ग़लत' की पहचान कीजिए : **7**

(8) राजशेखर का सहृदय काव्य-मर्मज्ञ के अधिक करीब है ।

(9) कविता सामान्य का साधारणीकरण होती है ।

(10) तटस्थता के अभाव में रसानुभूति संभव नहीं है ।

(11) नाद सौंदर्य से कविता की आयु बढ़ती है ।

(12) आरोचकी प्रतिभा का एक प्रकार है ।

(13) बिम्बों का निर्माण तार्किक ज्ञान के द्वारा होता है ।

(14) लय का पुनरावर्तन ही छंद कहलाता है ।